

# डॉ. वेंडी एल. विडर, डैनियल, सत्र 16, दानियेल 10-12, दानियेल का अंतिम दर्शन

© 2024 वेंडी विडर और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. वेंडी विडर द्वारा दानियेल की पुस्तक पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 16, दानियेल 10-12, दानियेल का अंतिम दर्शन है।

यह व्याख्यान दानियेल 10 से 12 पर है, जो दानियेल की पुस्तक के हमारे अध्ययन को निष्कर्ष पर ले जाएगा।

दानियेल 10 से 12 तक वह अंतिम दर्शन है जो दानियेल देखता है। यह एक लंबी इकाई है, यह काफी विस्तृत है, और वास्तविक रहस्योद्घाटन अध्याय 11 में निहित है। अध्याय 10 दानियेल को रहस्योद्घाटन सुनने के लिए एक प्रारंभिक तैयारी है।

अध्याय 12 बहुत सारा उपसंहार और चीजों को एक साथ चित्रित करने वाला है, लेकिन हम पूरी चीज़ को एक साथ पढ़ते और अध्ययन करते हैं क्योंकि यह एक साहित्यिक इकाई है। यह डैनियल का अंतिम दूरदर्शी अनुभव है। डैनियल की यह किताब बड़ी मुश्किल से प्रकाशित हुई है, जिससे अब तक आपको आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

इस रहस्योद्घाटन को सुलझाने में बहुत कुछ शामिल है, विशेष रूप से अध्याय 11 में पाया गया है, जिसमें अंतर-विधान इतिहास की मूल बातें याद रखना शामिल होगा। अध्याय 11 बहुत सारे विवरण लाएगा जो इस पर स्पष्ट नहीं हैं, और मैं आपको उस समय अवधि पर इस सर्वोत्तम संसाधन, पठनीय संसाधन के बारे में फिर से बताऊंगा। यह आपको विवरणों से अवगत कराने का बहुत अच्छा काम करता है।

तो, इसमें इसके लिए जाना या न जाना शामिल है, और यह हमें पूर्व-घटना भविष्यवाणी के मुद्दे पर भी वापस लाता है, जिसके बारे में हम तब बात करेंगे जब हम अध्याय 11 में विशेष रूप से उस बिंदु पर पहुंचेंगे जहां यह एक प्रश्न बन जाता है। तो, यह अंतिम दर्शन, जो डैनियल का चौथा दर्शन है, अध्याय 9 की तरह, एक प्रतीकात्मक दर्शन नहीं है। तो, डैनियल उत्परिवर्ती प्राणियों को नहीं देख रहा है।

वह उन चीजों को नहीं देख रहा है जिनकी व्याख्या की आवश्यकता है। वह वास्तव में एक रहस्योद्घाटन या एक एपिफेनी से अधिक प्राप्त कर रहा है जो उसे एक देवदूत आकृति या दिव्य आकृति द्वारा दिया गया है, यह इस पर निर्भर करता है कि आप उस पर कौन सा दृष्टिकोण लेने जा रहे हैं। ये लम्बा है।

इसमें बहुत अधिक विवरण है, और इसे ग्रहण करने में सक्षम होने के लिए डैनियल को बहुत प्रयास और सहायता की आवश्यकता है। और ये सभी चीजें, मुझे लगता है, इसके महत्व की ओर इशारा करती हैं। यह वास्तव में पुस्तक का चरमोत्कर्ष है।

यह इज़राइल के भविष्य का एक दृष्टिकोण है जो इस अवधि से आगे जाने वाला है जिसमें उन्हें भारी पीड़ा का अनुभव होगा, और यह अंततः उस इनाम का वादा करने जा रहा है जिसके लिए पीड़ित लोग इंतजार कर रहे हैं, पुनरुत्थान। इसलिए, वफादारों के लिए इनाम, और यह लोगों को आश्चस्त करेगा कि उत्पीड़कों के लिए न्याय होगा। तो यहीं पर यह दृष्टि जा रही है।

इस अध्याय में बहुत सी ऐसी बातें हैं जो 7, 8 और 9 में दिए गए दर्शनों की याद दिलाती हैं, लेकिन यह वास्तव में अध्याय 8 से सबसे सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। एमी मेरिल विलिस, मुझे लगता है कि यह उनका प्रकाशित शोध प्रबंध है, ने कई अध्याय लिखे हैं, कम से कम इस पुस्तक में, जिसमें तर्क दिया गया है कि डैनियल 8 में दिया गया दर्शन एक तरह से बुनियादी संरचना है, और फिर यह दर्शन उन सभी विवरणों या उन सभी मुद्दों को लेता है और उन्हें अधिक विस्तार से बताता है। इसलिए, वह इसे अधिक बारीक ऐतिहासिक विवरण और पूरी तरह से सुलझा हुआ अंत कहती है जो अध्याय 8 में अनुपस्थित था। इसलिए, अगर आपको अध्याय 8 याद है, तो मैंने इसे एक तरह का कंजूस सांत्वना या कंजूस प्रोत्साहन कहा था। प्रोत्साहन यह था कि ईश्वर के पास बुराई पर लगाम है।

दुख हमेशा के लिए नहीं रहेगा। यह खत्म हो जाएगा। यही प्रोत्साहन था।

खैर, यह दर्शन यह कहने जा रहा है कि, हाँ, दुख समाप्त हो जाएगा, लेकिन धर्मी लोगों के लिए पुरस्कार है। अत्याचारियों के लिए न्याय है। इसलिए, यह इसे अंतिम समाधान तक ले जाता है।

वास्तव में बुनियादी रूपरेखा के संदर्भ में, मैंने पहले ही इसका संकेत दे दिया है। तो, अध्याय 10 परिचयात्मक सामग्री है, जो दानिय्येल को इस रहस्योद्घाटन को देखने या सुनने और प्राप्त करने के लिए तैयार करती है। अध्याय 11 का पूरा भाग और अध्याय 12 की कुछ आयतें वास्तविक रहस्योद्घाटन हैं, और फिर हम इसके दूसरे पक्ष की ओर बढ़ते हैं, इस तरह की सफाई, कुछ अंतिम बातें जो संदेशवाहक को दानिय्येल से कहनी हैं, और फिर हम संख्याओं के एक हैरान करने वाले सेट के साथ समाप्त करते हैं।

तो, रुकिए। ठीक है, यह पाठ, इसकी लंबाई के कारण, मैं इसे एक बार में पूरा पढ़ने की कोशिश करने के बजाय टुकड़ों में पढ़ने जा रहा हूँ। इसलिए, मैं प्रत्येक भाग को पढ़ूँगा, आपको बताऊँगा कि यह किस बारे में है, और इसमें शामिल मुद्दों पर चर्चा करूँगा, और फिर हम आगे बढ़ेंगे।

इसलिए, अध्याय 10 के श्लोक 1 से 9 में, दानिय्येल को एक स्वर्गीय दूत का दर्शन होता है, और वह श्लोक 1 से शुरू होता है, और हमें अंतरिक्ष-समय संदर्भ मिलता है। तो यह कहता है, और यह पहला भाग दानिय्येल द्वारा नहीं है, यह एक कथात्मक परिचय है, जो दानिय्येल के खाते को स्थापित करता है। इसलिए फारस के राजा कुसू के तीसरे वर्ष में, दानिय्येल को एक संदेश प्रकट किया गया, जिसका नाम बेलतशस्सर था, और यह संदेश सत्य था और बहुत संघर्षपूर्ण था, लेकिन उसने संदेश को समझ लिया और उसे दर्शन की समझ थी।

तो, हम साइरस के तीसरे वर्ष में हैं, घोषणा जारी होने के ठीक बाद कि यहूदी अपने देश में वापस जा सकते हैं। यह लगभग 536 है, इसलिए हम अध्याय 9 में दर्शन के दो या तीन साल बाद

लगभग तीन साल में हैं। तो, इस बिंदु तक, यरूशलेम में मंदिर की नींव रखी गई थी, लेकिन फिर काम छोड़ दिया गया था क्योंकि इसके लिए सभी प्रकार के विरोध थे। इसलिए बहाली पहले ही अपनी पहली बाधा तक पहुँच चुकी है।

दानियेल का दर्शन जो वह देखने वाला है, यह दर्शाने वाला है कि वह शायद जानता है कि स्वदेश में पुनर्स्थापना अभी पूरी तरह से शुरू नहीं हुई है, लेकिन उसका दर्शन उसे यह दिखाने वाला है कि आगे और भी बड़ा संघर्ष है, कि इस पुनर्स्थापना के दूसरी तरफ भी, अभी भी बहुत बड़ा संघर्ष आना बाकी है। श्लोक 2 से 3 में, दानियेल बोलना शुरू करता है, और वह हमें इस दर्शन से परिचित कराता है। तो, उन दिनों में, यानी कुसू के तीसरे वर्ष में, मैं, दानियेल, पूरे तीन सप्ताह तक शोक मनाता रहा।

मैंने कोई स्वादिष्ट भोजन नहीं खाया, न ही मांस या शराब अपने मुँह में डाली, न ही मैंने पूरे तीन सप्ताह पूरे होने तक किसी भी तरह की मरहम-पट्टी का इस्तेमाल किया। इसलिए हमें यहाँ अधिक स्थान-समय संदर्भ मिलते हैं। हम जानते हैं कि डैनियल क्या कर रहा है।

वह शोक मना रहा है। वह शायद काफी भूखा है। वह काफी कमजोर है, जो वास्तव में शायद इस रहस्योद्घाटन को प्राप्त करने में उसके लिए कठिनाई का एक हिस्सा है।

ठीक है, मैं उस हिस्से को सहेजने जा रहा हूँ। इसलिए, वह शोक मना रहा है, उपवास कर रहा है और प्रार्थना कर रहा है। हमें यह नहीं बताया गया कि ऐसा क्यों है।

वर्णनकर्ता नहीं बताता, या डैनियल हमें नहीं बताता कि वह उपवास क्यों कर रहा है। शायद यह तथ्य कि घर वापसी का काम वास्तव में अभी तक शुरू नहीं हुआ है, शोक का कारण है। शायद वह बेहतर ढंग से समझने की कोशिश कर रहा है कि इस भ्रमित समय में भगवान क्या कर रहे हैं, वादे पूरे क्यों नहीं किए गए हैं।

हमें पता नहीं। श्लोक 4 से 9 में, दानियेल एक मनुष्य या मनुष्य जैसे दिखने की रिपोर्ट करता है। तो, पहले महीने के 24वें दिन, यह बहुत विशिष्ट है, जब मैं महान नदी, यानी टाइग्रिस के किनारे पर था, मैंने अपनी आँखें उठाई और देखा, और देखो, वहाँ एक आदमी था, जो सनी का कपड़ा पहने हुए था।, जिसकी कमर ऊफ़ाज़ के शुद्ध सोने की कमरबन्द से बँधी हुई थी।

उसका शरीर भी बेरिल जैसा था। उसके मुख पर बिजली सी चमक उठी। उसकी आँखें जलती हुई मशालों के समान थीं।

उसके हाथ और पैर चमकते हुए पीतल की चमक के समान थे। और उसके शब्दों की ध्वनि एक हुल्लड़ की ध्वनि के समान थी। अब मैं, दानियेल, अकेले ही दर्शन देख रहा था, जबकि मेरे साथ के लोगों ने दर्शन नहीं देखा।

फिर भी, उन पर बहुत भय छा गया, और वे छिपने के लिए भाग गए। इसलिए, मैं अकेला रह गया और मैंने यह महान दर्शन देखा, और फिर भी मुझमें कोई ताकत नहीं बची। मेरा प्राकृतिक रंग मौत के समान पीला पड़ गया, और मुझमें कोई ताकत नहीं बची।

लेकिन मैंने उसके शब्दों की आवाज़ सुनी, और जैसे ही मैंने उसके शब्दों की आवाज़ सुनी, मैं अपने चेहरे के बल ज़मीन पर गहरी नींद में सो गया।" तो सबसे पहले, अंतरिक्ष-समय संदर्भ की निरंतरता है। हमें विशेष रूप से बताया गया है कि यह पहले महीने का 24वाँ दिन है, जो एक उत्सुक विवरण है। हालाँकि, यह हमें बताता है कि वास्तव में, यह शोक की अवधि जिसमें दानियेल रहा है, फसह और अखमीरी रोटी के यहूदी पर्वों के साथ ओवरलैप होती है।

आम तौर पर, ये पर्व आनन्द मनाने का समय होता था। फसह का पर्व मिस्र से परमेश्वर के छुटकारे का उत्सव था। इसलिए दानियेल का कारण चाहे जो भी रहा हो, उपवास और प्रार्थना के लिए उसकी प्रेरणा चाहे जो भी रही हो, उसके लिए यह इतना महत्वपूर्ण था कि वह इस वार्षिक उत्सवी पर्व, इन वार्षिक उत्सवी पर्वों को त्याग दे।

स्टीफन मिलर का सुझाव है कि डैनियल शायद उपवास कर रहा था क्योंकि वह फसह के बारे में सोच रहा था, जिसने उसे बहुत पहले मिस्र के भगवान के उद्धार की याद दिला दी, और वह इज़राइल के वर्तमान उद्धार की प्रतीक्षा और उम्मीद कर रहा है, जो एक व्यवहार्य व्याख्या है, बहुत अच्छी व्याख्या है। यह कहता है कि वह महान नदी के किनारे है, और फिर यह निर्दिष्ट करता है कि यह टिगरिस है। इसका कारण यह है कि, बाइबिल में, महान नदी आमतौर पर फरात है।

लेकिन यहाँ, यह टिगरिस है, जो बेबीलोन के बाहर है। फिर से, हम नहीं जानते कि वह वहाँ क्यों है। वह हमें नहीं बताता।

शायद वह सिर्फ़ एकांतवास में है? क्या वह आधिकारिक काम से वहाँ गया है और एक छोटी सी यात्रा पर है? हमें नहीं पता। लेकिन इस दृश्य में, वह वास्तव में स्थान पर ही दिखाई देता है। वह किसी ट्रान्स में नहीं है।

वह वास्तव में वहाँ है। वह लिनन पहने हुए एक आदमी को देखता है, और वह कभी भी उस आदमी का नाम नहीं लेता है, और उसके बाद जो होता है, वह उसका नाम नहीं लेता है। और बहुत से टिप्पणीकार यह स्थिति लेते हैं कि यह गेब्रियल है।

यह शायद सबसे लोकप्रिय विकल्प है। हमने गेब्रियल को पहले भी देखा है, डैनियल में दो बार। लेकिन मेरा सवाल यह है कि अगर हम गेब्रियल को जानते हैं तो उसे यह नाम क्यों नहीं दिया गया? आखिरी अध्याय में, उन्होंने कहा, गेब्रियल, जो पहले मेरे सामने आया था।

तो क्यों न सीधे कह दिया जाए कि यह गेब्रियल है? और मेरा दूसरा सवाल यह है कि डैनियल की गेब्रियल के प्रति प्रतिक्रिया वाकई अजीब है, अगर यह तीसरी बार है जब उसने उसे देखा है। वह बस रंग खो देता है। वह भयभीत है।

वह मूलतः गहरी नींद में चला जाता है। ऐसा लगता है कि यह किसी दिव्य प्राणी के प्रति बहुत कठोर प्रतिक्रिया है जिसे उसने पहले देखा है। और ईमानदारी से, इस अस्तित्व का वर्णन, यदि आप यहीं अध्याय में पढ़ना बंद कर दें, तो यह काफी हद तक यहजेकेल 1 में ईजेकील के

भगवान के दर्शन जैसा लगता है, जहां आपके पास बिजली की तरह दिखने वाला यह चेहरा है, आंखों के लिए जलती हुई मशालें हैं, पॉलिश किया हुआ पीतल, और उसकी आवाज में कोलाहल की ध्वनि।

यह वास्तव में थियोफनी जैसा लगता है। यह भगवान के प्रकट होने जैसा लगता है। वास्तव में मेरा विचार यह है कि यह या तो स्वयं ईश्वर का स्वरूप है, या यह मसीह का पूर्व-अवतार स्वरूप हो सकता है।

इस पर लेखकों या विद्वानों की मुख्य आपत्ति यह है कि देवदूत या यह प्राणी, मेरी दृष्टि में, देवदूत नहीं है। मेरे विचार में, यह एक थियोफनी है। परंतु यह प्राणी जो कहता है वह ऐसा नहीं लगता जैसा कि परमेश्वर को कहना चाहिए।

तो, देवदूत यह समझाएगा कि वह देर से क्यों आया है। उसे यहाँ पहले ही आ जाना चाहिए था, लेकिन वह कहेगा, फारस के राजकुमार ने मुझे हिरासत में ले लिया। वह 70 दिनों तक मेरा सामना कर रहा था, और मुझे माइकल के आने का इंतज़ार करना पड़ा।

और धर्मशास्त्री कहते हैं कि मैं ईश्वर नहीं हो सकता। यह ईश्वर जैसा नहीं लगता। वास्तव में, ट्रम्पर लॉन्गमैन, जिनका मैं एक टिप्पणीकार के रूप में वास्तव में सम्मान करता हूँ, वे कहते हैं कि हमारा पहला आवेग यह कहना है कि यह एक ईश्वरीय दर्शन है।

लेकिन फिर वह व्यक्त करता है कि वह इसके लिए प्राथमिक विरोध को क्या मानता है। वह कहता है, कौन सी शक्ति 21 दिनों तक ईश्वर का विरोध कर सकती है, जैसा कि फारसी साम्राज्य के राजकुमार ने किया था? क्या हम वास्तव में कल्पना कर सकते हैं कि ईश्वर अपने उद्देश्यों में इतने प्रभावी ढंग से विफल हो सकता है, भले ही अस्थायी रूप से? फिर, स्टीफन मिलर ने कहा कि यह भाषा, विफल होने की भाषा, एक देवता पर लागू होने पर अनुचित है। उदाहरण के लिए, कोई भी प्राणी स्वयं ईश्वर की शक्ति का विरोध नहीं कर सकता।

इसलिए, मैं उनकी बातों का सम्मान कर सकता हूँ, लेकिन मुझे आश्चर्य है कि हम इतनी स्पष्टता से कैसे कह सकते हैं कि ऐसे संघर्ष में परमेश्वर के उद्देश्य क्या रहे होंगे? शायद उसके कुछ उद्देश्य रहे होंगे जो हम नहीं जानते। दूसरी बात, बाइबल में अलौकिक दुनिया कैसे काम करती है, इस बारे में हमारे पास जो थोड़ी बहुत जानकारी है, उसके आधार पर हम यह कैसे कह सकते हैं कि परमेश्वर स्वर्गीय संघर्षों में क्या करता है और क्या नहीं होने देता, चाहे वे किसी भी तरह के क्यों न हों? मुझे नहीं पता कि वे कैसे दिखते हैं। हम बाइबल में उनमें से बहुत कुछ नहीं देखते हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं यह कहने का साहस करना चाहता हूँ कि परमेश्वर क्या अनुमति दे सकता है या नहीं।

और तीसरी टिप्पणी जो मैं कहना चाहूँगा, वह यह है कि अगर यह वास्तव में ईश्वर के प्रकट होने या स्वयं ईश्वर या प्रभु के दूत के बीच संघर्ष है, अगर यह किसी तरह का दिव्य संघर्ष है, तो यह बाइबल में अपनी तरह का पहला संघर्ष नहीं होगा। अगर आप उत्पत्ति में वापस जाएँ, तो याकूब का प्रभु के दूत के साथ कुशती का मुकाबला है, और यह काफी संघर्षपूर्ण प्रतीत होता है। और

आप आश्चर्य करते हैं, ठीक है, दिन के अंत में, स्वर्गदूत याकूब के पैर को छूता है, और बस यही इसका अंत है।

खैर, उसने शुरुआत में ऐसा क्यों नहीं किया? हम परमेश्वर के उद्देश्यों को नहीं समझते या परमेश्वर क्या होने दे सकता है या क्या नहीं होने दे सकता है। इसलिए, मैं कहना चाहता हूँ कि यह एक ईश्वरीय दर्शन जैसा लगता है। मैं इसे ईश्वरीय दर्शन कहूँगा और स्वर्गीय संघर्ष के संदर्भ में इसका वास्तव में क्या अर्थ हो सकता है, इस रहस्य को रहस्य के रूप में ही रहने दूँगा।

डैनियल अकेला ही यह सब देख पाता है। उसके साथी इसे नहीं देख पाते। वे डरे हुए हैं।

वे उसे अकेला छोड़ देते हैं। और जब वह आदमी, वह आदमी, जिसे वह उसे बुलाता है, बोलना शुरू करता है, तो दानिय्येल गहरी नींद में सो जाता है। और फिर, पद 10 से 15 में, वह व्यक्ति, वह आदमी, उसे सक्षम करने वाला स्पर्श और उत्साहवर्धक शब्द देता है, क्योंकि वह उसे रहस्योद्घाटन प्राप्त करने के लिए तैयार करता है।

तो, देखो, एक हाथ, या एक हाथ, एक हाथ ने मुझे छुआ और मुझे मेरे हाथों और घुटनों पर काँपने के लिए खड़ा कर दिया। उसने मुझसे कहा, हे दानिय्येल, मैं एक महान व्यक्ति हूँ, जो शब्द मैं तुमसे कहने जा रहा हूँ उन्हें समझो और सीधा खड़ा हो जाओ, क्योंकि मैं अभी तुम्हारे पास भेजा गया हूँ। जब उसने मुझसे ये शब्द कहे, तो मैं काँपते हुए खड़ा हो गया।

फिर उसने मुझसे कहा, "हे दानिय्येल, मत डर, क्योंकि जिस दिन तू ने यह बात समझने की ठानी और अपने परमेश्वर के साम्हने दीन हुआ, उसी दिन तेरी बातें सुनी गईं, और मैं तेरे वचनों के अनुसार आया हूँ। परन्तु फारस के राज्य का प्रधान 21 दिन तक मेरा साम्हना करता रहा। तब देख, प्रधान हाकिमों में से मीकाएल मेरी सहायता करने आया, क्योंकि मैं फारस के राजाओं के पास वहीं रह गया था।"

अब मैं तुम्हें यह समझाने आया हूँ कि तुम्हारे लोगों के साथ अंतिम दिनों में क्या होगा क्योंकि यह दर्शन भविष्य के दिनों से संबंधित है। जब उसने मुझसे इन शब्दों के अनुसार बात की, तो मैंने अपना चेहरा ज़मीन की ओर कर लिया और चुप हो गया। तो, यह बहुत ही गंभीर है, यह बहुत ही गंभीर है, और दानिय्येल को इस रहस्योद्घाटन को प्राप्त करने में सक्षम होने के लिए कई मजबूत कार्यों की आवश्यकता होगी।

सबसे पहले, एक हाथ उसे छूता है, उसे उसके हाथों और घुटनों पर उठाता है। फिर एक आवाज़ उसे सीधे खड़े होने के लिए कहती है। आवाज़ उसे कहती है कि डरो मत और उसे भरोसा दिलाती है कि वह डैनियल की प्रार्थना के जवाब में वहाँ है।

और फिर वह उसे आश्चस्त करता है कि यह देरी, उसकी देरी, इसलिए नहीं थी क्योंकि वह लापरवाह था, इसलिए नहीं कि परमेश्वर दानिय्येल के प्रति लापरवाह था, बल्कि इसके पीछे एक कारण था। कारण यह है कि फारस के राजकुमार ने उसे देर कर दी थी, और उसे मदद के लिए माइकल की आवश्यकता थी। जैसा कि मैंने पहले ही कहा है, इससे हमारे सामने दिव्य प्राणियों

और आध्यात्मिक युद्ध के बारे में बहुत सारे प्रश्न उठते हैं जिनका उत्तर मैं देने की कोशिश नहीं करने जा रहा हूँ।

बाइबल स्वयं बहुत कम निश्चित उत्तर प्रदान करती है, इसलिए मैं इस विषय पर अपना हाथ नहीं रखूँगा। हालाँकि मैं यह कहूँगा कि राष्ट्रों पर शासन करने वाले दिव्य प्राणियों का विचार प्राचीन निकट पूर्व में और यहाँ तक कि बाइबल में भी व्यापक रूप से जाना जाता है। इसलिए कई व्याख्यानों पहले जब हम दिव्य परिषद के बारे में बात कर रहे थे, तो हमने मुख्य देवता या इस्राएलियों के मामले में यहोवा के बारे में बात की थी।

अन्य प्राचीन निकट पूर्वी दिव्य परिषदों के मामले में, एल ने दिव्य सत्ता के दूसरे स्तर को क्षेत्र सौंपे और उन क्षेत्रों के प्रभारी, प्रबंधन और शासन करने वाले वे लोग थे। वे उनके लिए जवाबदेह थे, लेकिन वे उनके प्रभारी होने के लिए भी जिम्मेदार थे। माइकल, डैनियल के लोगों का राजकुमार और मुख्य राजकुमारों में से एक।

तो, माइकल, द्वितीय मंदिर साहित्य में, माइकल को एक प्रधान स्वर्गदूत के रूप में पहचाना जाता है। वह दिव्य प्राणियों में अधिकार रखने वाला व्यक्ति है। पुराने नियम में, यह एकमात्र स्थान है जहाँ वह नाम से प्रकट होता है।

नए नियम में, वह जूड के एक दिलचस्प पाठ और प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में आता है। इसलिए, गेब्रियल और माइकल बाइबल में केवल दो स्वर्गदूत हैं जिनका नाम दिया गया है। इसलिए, डैनियल ने इस संदेश का उद्देश्य बताया और कहा कि उसके लोगों के लिए आने वाले समय में क्या होगा।

यह अभिव्यक्ति, आने वाला समय, हम पुराने नियम में अन्य स्थानों पर पाते हैं जहाँ इसमें युगांत संबंधी संकेत नहीं हैं, हालाँकि कभी-कभी इसमें संकेत हो सकते हैं। यहाँ जो कुछ हो रहा है, उसके संदर्भ में, ऐसा लगता है कि स्वर्गदूत अपने रहस्योद्घाटन में जो कहेगा, वह इस्राएल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ की ओर इशारा करता है और अंत के समय क्या होगा। तो, अंत के दो अलग-अलग समय।

और दानियेल इस शब्द पर फिर से चर्चा करता है। पद 16 और 17 में, उसे दूसरा सक्षम स्पर्श मिलता है। तो, देखो, एक मनुष्य जैसा दिखने वाला व्यक्ति मेरे होठों को छू रहा था।

फिर मैंने अपना मुँह खोला और जो मेरे सामने खड़ा था, उससे कहा, हे मेरे प्रभु, इस दर्शन के कारण मैं बहुत दुखी हो गया हूँ। मुझमें कोई शक्ति नहीं बची है। मेरे प्रभु का ऐसा सेवक मेरे प्रभु जैसे सेवक से कैसे बात कर सकता है? जहाँ तक मेरी बात है, मुझमें अब कोई शक्ति नहीं बची है, न ही मुझमें कोई साँस बची है।

इसलिए, दानियेल ने बताया कि मनुष्य जैसा कोई व्यक्ति उसके होठों को छूता है। आप यशायाह 6 को याद कर सकते हैं, जहाँ यशायाह ने अपने होठों को छुआ था। वहाँ यह शुद्धिकरण के लिए था।

यिर्मयाह के होठों को छुआ गया ताकि वह बोल सके। इस मामले में, दानियेल को बोलने की ज़रूरत नहीं है। यह रहस्योद्घाटन प्राप्त करने के लिए एक मजबूती देने वाली बात है।

या शायद उसे बस इतनी शक्ति मिलती है कि वह कह सके कि उसकी शक्ति चली गई है, जो कि यहाँ होता है। श्लोक 18 और 19 में, उसे तीसरा सक्षम स्पर्श मिलता है। तो, श्लोक 18, फिर एक मानवीय रूप वाले व्यक्ति ने मुझे फिर से छुआ और मुझे मजबूत किया।

उन्होंने कहा, हे महान व्यक्ति, डरो मत। आपके शांति के साथ रहें। साहस रखो और साहसी बनो।

अब जैसे ही उस ने मुझ से बातें कीं, मुझे बल मिला, और कहा, हे मेरे प्रभु कह, तू ने मुझे बल दिया है। तो ये मानव प्राणी मानव रूपी जीव उसे फिर से छूकर मजबूत कर देता है। एक इंसान की तरह उससे बात करता है और कहता है, डरो मत।

अब, आखिरकार, डैनियल बोलने के लिए तैयार है। मैं कहूँगा कि इस परिच्छेद में कितने प्राणी बोल रहे हैं, इसे लेकर थोड़ी असहमति या भ्रम है। अगर मैं यह सब एक साथ पढ़ूँ, तो उसमें और वह के बहुत सारे संदर्भ होंगे, और आप निश्चित नहीं हैं कि इस दृश्य में कितने आँकड़े हैं।

डैनियल के साथ क्या होता है यह अभी भी काफी स्पष्ट है और संदेश भी काफी स्पष्ट है, लेकिन वहाँ कितने प्राणी मौजूद हैं, हम पूरी तरह से निश्चित नहीं हैं। ठीक है, और फिर, जिसे मैं थियोफनी मानता हूँ, वह उसे इस बात का स्पष्टीकरण देता है कि उसे देरी क्यों हुई। तो, फिर उसने कहा, और वह क्यों आया है।

फिर उसने कहा, क्या तुम समझते हो मैं क्यों आया हूँ? अब मैं फारस के राजकुमार के विरुद्ध युद्ध करने के लिये लौट आऊँगा। इसलिए, मैं आगे जा रहा हूँ और देखता हूँ, यूनान का राजकुमार आने वाला है। हालाँकि, मैं आपको बताऊँगा कि सत्य की किताब में क्या लिखा है।

फिर भी आपके राजकुमार माइकल को छोड़कर कोई भी ऐसा नहीं है जो इन ताकतों के खिलाफ मजबूती से मेरे साथ खड़ा हो। डेरियस द मेडे के पहले वर्ष में, मैं उसके लिए प्रोत्साहन और सुरक्षा बनकर उभरा। ठीक है, तो यहाँ बहुत सारे अलग-अलग विचार चल रहे हैं।

कभी-कभी, उन्हें एक साथ लाना मुश्किल होता है, लेकिन स्पष्ट रूप से, यह संदेश बहुत ज़रूरी है। यह आदमी कहता है, क्या तुम जानते हो कि मैं क्यों आया हूँ? मैं तुम्हें यह संदेश देने जा रहा हूँ, भले ही मुझे वहाँ वापस जाना पड़े। मैं तुम्हें यह संदेश देने के लिए यहाँ आया हूँ। इसलिए, यह एक महत्वपूर्ण संदेश है।

वह वापस जाने की जल्दी में है, और यह इस बात का महत्व दर्शाता है कि वह जो कहने जा रहा है, वह यह है कि उसे डैनियल को संदेश देने के लिए इतने महत्वपूर्ण संघर्ष से दूर बुलाया गया था। माइकल का उल्लेख थोड़ा अलग है। इसलिए, उसने कहा, माइकल, आपके राजकुमार को छोड़कर कोई भी ऐसा नहीं है जो इन ताकतों के खिलाफ मेरे साथ खड़ा हो।

उसने माइकल के हाथों में सब कुछ छोड़ दिया है, जबकि वह इस संदेश को देने के लिए यहाँ आया हुआ है। सत्य के लेखन या सत्य की पुस्तक का यह संदर्भ, हमने अध्याय 7 में न्याय के लिए कई पुस्तकों का सामना किया है। दानिय्येल यिर्मयाह की पुस्तकों या स्कॉल को पढ़ता है। मुझे याद नहीं कि और कौन सी पुस्तकें हैं, लेकिन यह एक अलग पुस्तक है।

ऐसा लगता है कि इस पुस्तक में राष्ट्रों और परमेश्वर के लोगों के लिए इतिहास की दिशा है। यह बेबीलोन की पौराणिक कथाओं में भाग्य की पट्टियों के समान है, जो कम से कम बेबीलोन के लोगों के लिए, आने वाले वर्ष की दिशा बताती हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि इस विशेष पुस्तक में इतिहास की वह दिशा है जिसे वह बताने आया है।

तथ्य यह है कि वह एक और बात अलग रखता है कि उसने डेरियस के पहले वर्ष में माइकल की मदद की थी। यहाँ डेरियस द मेडे फिर से है। डेरियस द मेडे के पहले वर्ष में ऐसा क्या हुआ जिसके लिए अतिरिक्त देवदूतीय सुदृढीकरण की आवश्यकता हो सकती है? डैनियल इसका वर्णन नहीं करता है।

देवदूत इसका वर्णन नहीं करता। हम अनुमान लगा सकते हैं. हम यहाँ 539 में वापस आ गए हैं।

डेरियस और स्वर्गीय ताकतें जो शायद डेरियस का प्रतिनिधित्व करती थीं, क्यों लड़ रही होंगी? ऐसा कौन सा संघर्ष चल रहा होगा जो विशेष रूप से तीव्र हो सकता था? खैर, शायद स्वर्गीय हाकिम इस्राएल को अपनी भूमि पर पुनः स्थापित होने से रोकने के लिए लड़ रहे थे। मुझे नहीं पता। यह एक संभावना है .

डेरियस के इस पहले वर्ष में कुछ ऐसा चल रहा है जो इतना महत्वपूर्ण है कि माइकल को कुछ मदद की आवश्यकता है। फिर हम सत्य की पुस्तक, या सत्य के लेखन से रहस्योद्घाटन तक पहुँचते हैं। यह एक लंबा खंड है।

यह मूल रूप से अध्याय 11 का पूरा भाग है, अध्याय 12 के पहले श्लोक और पहले चार श्लोकों को छोड़कर। मैं वास्तव में पाठ पर आने से पहले इसका अपना छोटा सा परिचय देने जा रहा हूँ। हम इसे बहुत छोटे-छोटे हिस्सों में देखेंगे।

जब देवदूत यह रहस्योद्घाटन करता है, तो मूल रूप से भविष्यवाणी के पाँच क्षेत्र या पाँच विशिष्ट युग होते हैं, जिन पर वह काम करने जा रहा है। वह फारस के बारे में बात करने जा रहा है। वह ग्रीस के बारे में बात करने जा रहा है, जिसे वह मजबूत राजा या एक मजबूत राजा के रूप में संदर्भित करेगा।

वह मिस्र और सीरिया के बारे में बात करने जा रहा है, और खास तौर पर उन शब्दों के बारे में जिन्हें हम यहाँ पहचान सकते हैं। ये टॉलेमी और सेल्यूसिड्स हैं। वह एंटीओकस IV एपिफेन्स के बारे में बात करने जा रहा है, जिसे सिर्फ घृणित व्यक्ति कहा जाएगा, या एक संस्करण उसे घृणित व्यक्ति कहता है।

फिर एक ऐसा खंड है जिसमें राजा के बारे में बहुत बहस और चर्चा की गई है जो खुद को उंचा उठाता है। जब हम उस खंड पर पहुँचते हैं, तो यह 11:36 पर शुरू होता है। यह विशेष रूप से कठिन हो जाता है क्योंकि हम इस बिंदु तक ऐतिहासिक घटनाओं पर नज़र रख रहे हैं, और फिर यह बदल जाता है, और अचानक, हम ऐसे संदर्भ नहीं पा सकते हैं जो इतिहास पर लागू हों।

इसे समझने के दो तरीके हैं। या तो भविष्यवक्ता ने गलत कहा है, या फिर हम सिर्फ़ एंटीओकस एपिफेन्स के बारे में बात करने से आगे बढ़कर भविष्य के मसीह विरोधी के बारे में बात करने लगे हैं। मैं इस खंड में जाने से पहले, पूर्व-घटना भविष्यवाणी के मुद्दे पर फिर से विचार करना चाहता हूँ, क्योंकि जब हम श्लोक 36 पर पहुँचेंगे तो यह एक मुद्दा बन जाएगा।

हमने इस बारे में कोर्स में पहले भी बात की थी, लेकिन मुझे डर है कि मैंने आपको कुछ स्पष्ट करने के बजाय भ्रमित कर दिया है। यह इतना समय पहले की बात है कि आप निस्संदेह इसे भूल गए होंगे। मुझे फिर से कोशिश करने दें।

पूर्व-घटना भविष्यवाणी, या घटना के बाद की भविष्यवाणी, सर्वनाश साहित्य की शैली में जानी जाती है। मुझे नहीं लगता कि कोई भी इसे नकारता है। बहुत से इंगील विद्वानों के लिए सवाल यह है कि क्या वह शैली, या सर्वनाश साहित्य का वह तत्व, दानिय्येल की पुस्तक में मौजूद है।

लोगों के पास ऐसा सोचने के अलग-अलग कारण हैं, लेकिन मैं उन सब में नहीं जाने की कोशिश करूँगा। यह कैसे काम करता है, यह यहाँ बताया गया है। मैं इसके बारे में दानिय्येल की किताब के संदर्भ में बात करने जा रहा हूँ।

मैं उन लोगों की स्थिति ग्रहण करने जा रहा हूँ जो पूर्व-घटना भविष्यवाणी के बारे में दृष्टिकोण रखते हैं ताकि मैं इसे सबसे अच्छी तरह से समझा सकूँ। डैनियल की पुस्तक में पूर्व-घटना भविष्यवाणी, दावा है कि दूसरी शताब्दी का एक अज्ञात यहूदी है जो एंटीओकस के इस उत्पीड़न के दौरान फिलिस्तीन में रहता है। वे इस भविष्यवाणी के लेखन की विशिष्ट तिथि 167 बताएंगे।

167 वह समय है जब एंटीओकस IV एपिफेन्स द्वारा उत्पीड़न वास्तव में बढ़ जाता है। यह तब होता है जब मंदिर को अपवित्र किया जाता है, और चीजें बस वहीं से नीचे की ओर जाती हैं। हम इस भविष्यवक्ता को रखेंगे, जिसे हम दानिय्येल नाम दे रहे हैं, भले ही, इस दृष्टिकोण से, वह एक अनाम दूसरी सदी का यहूदी है जिसने दानिय्येल का नाम अपनाया है।

आप कहते हैं, अच्छा, वह ऐसा क्यों करेगा? खैर, यहाँ बताया गया है कि शैली कैसे काम करती है। तो, वह वास्तव में उथल-पुथल भरे समय के बीच में है। उनके लोगों पर अत्याचार हो रहा है, और वह जो लिखना चाहते हैं उसका एक उद्देश्य अपने लोगों को प्रोत्साहित करना है कि मानव इतिहास के पाठ्यक्रम पर भगवान का नियंत्रण है। यदि आपको यह याद दिलाया जा सके, तो आप आश्चर्य हो सकते हैं कि भविष्य के इतिहास पर भी उसका नियंत्रण है।

तो, उद्देश्य इस निर्धारित इतिहास पर भगवान का नियंत्रण दिखाना है। यह सब उसके हाथ में है। यह उसी का हिस्सा है जिसे वे इसके साथ पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं।

तो, वह जो करता है वह वापस जाता है और निर्वासन के समय से इस अत्यधिक सम्मानित, आदरणीय चरित्र को चुनता है। असली डैनियल. ऐतिहासिक डैनियल.

और वह ऐतिहासिक डैनियल उसका मुख बन जाता है, या वह डैनियल के नाम का उपयोग करते हुए मुखपत्र बनने जा रहा है। तो, यह भविष्यवाणी डैनियल के नाम पर बोली जाती है लेकिन यह दूसरी शताब्दी में यहां पर्यायवाची यहूदी द्वारा बोली जा रही है। और यह भविष्यवाणी जो डैनियल देता है वह यह है कि वह निश्चित रूप से, इस बिंदु तक समय के इतिहास का वर्णन करता है।

तो, वह फ़ारसी साम्राज्य के बारे में बात करने जा रहा है। वह यूनानी साम्राज्य के बारे में बात करने जा रहा है। जैसे ही वे दृश्य में आएंगे, वह इन सेल्यूसिड्स और टॉलेमीज़ के बारे में बात करने जा रहे हैं।

और वह इन सभी भविष्यवाणियों को सच साबित करने जा रहा है। क्यों? खैर, क्योंकि यह आदमी वास्तव में इसे लिख रहा है, यह इतिहास है, है ना? लेकिन वह इसे ऐसे लिख रहा है जैसे कि वह यहां रह रहा डैनियल हो जो इसकी भविष्यवाणी कर रहा हो। तो, यह डैनियल है, असली डैनियल, कथित तौर पर बोल रहा है, लेकिन असली आवाज़ यह लड़का है।

इसलिए, वह सब कुछ सही बताता है और अध्याय 11 में इस भविष्यवाणी में, हमारे पास उल्लेखनीय विवरण है। मेरा मतलब है, जब हम इसे पढ़ते हैं, तो यह रिक्त स्थान भरने जैसा है। आप इस भविष्यवाणी में ऐतिहासिक नाम डाल सकते हैं और यह ऐसा है जैसे आप इतिहास की किताब पढ़ रहे हैं।

यह वास्तव में बाइबल की भविष्यवाणी में किसी भी अन्य चीज़ से अलग है। यह बस अजीब है। अब, यह सर्वनाश साहित्य और उस शैली के संदर्भ में अजीब नहीं है, लेकिन यह बाइबल में अजीब है।

इसका मतलब यह है कि हमें यह नहीं पता कि इसके साथ क्या करना है। इसलिए, जब वह इतिहास के इस हिस्से में पहुंचता है, तो सभी विवरण। मेरा मतलब है, वह इस इतिहास को वास्तव में अच्छी तरह से जानता है।

सभी विवरण वहाँ हैं। यह दृष्टिकोण कहेगा कि यह पूरी शैली वास्तव में इस रहस्यमय व्यक्ति, डेरियस द मेडे का कारण है। यह एक साइड नोट है।

इसका अध्याय 11 से कोई लेना-देना नहीं है। तो, यह दृष्टिकोण क्या कहेगा क्योंकि यह पूर्व-घटना भविष्यवाणी है, यह वास्तविक लेखक उससे प्राचीन इतिहास के बारे में बात कर रहा है और वह इसे थोड़ा भ्रमित कर गया है। इसलिए, उन्होंने साइरस की जगह डेरियस कहा।

इसलिए, उसने उन लोगों को बदल दिया क्योंकि वह वास्तव में अपने इतिहास को अच्छी तरह से नहीं जानता था, जो मुझे लगता है कि वास्तव में बहुत बुरा है। मेरा मतलब है, भले ही मैं इस दृष्टिकोण को रखता हूँ, अगर मैं इस दृष्टिकोण को नहीं रखता हूँ, तो यह वास्तव में इस व्यक्ति के

इतिहास के दृष्टिकोण का एक सड़ा हुआ दृष्टिकोण है। मैं सोचता हूँ कि इतनी बड़ी गलती करने और उसे चार गुना करने के लिए हम बाइबिल के लेखकों को थोड़ा अधिक श्रेय दे सकते हैं।

वह उसे चार बार डेरियस द मेडे कहता है। वैसे भी, यह बात अलग है। मैं भटक जाता हूँ।

ठीक है, तो वह यहाँ तक पहुँच जाता है, और यह 11:36 है। यह ठीक वहीं है जहाँ हम समाप्त करते हैं, और फिर वह एंटीओकस के बारे में बात करना जारी रखता है, यह राजा जो खुद को ऊंचा उठाता है, और वह ऐसी बातें कहना शुरू कर देता है जो हमें ऐतिहासिक रिकॉर्ड में नहीं मिलती हैं। इसलिए, वह एंटीओकस के बारे में भविष्यवाणियाँ करता है, जहाँ एंटीओकस मर जाएगा, लेकिन फिर ऐतिहासिक रिकॉर्ड मेल नहीं खाता है।

तो, सिद्धांत कहता है, ठीक है, हाँ, क्योंकि इस बिंदु से, वह वास्तव में भविष्यवाणियाँ कर रहा है। यहाँ, वह सिर्फ इतिहास का वर्णन कर रहा है। बेशक, वह बिल्कुल सही है।

यहाँ, वह वास्तव में भविष्यवाणियाँ कर रहा है। उनमें से कुछ में, वह सही हो जाता है, और कुछ में, वह गलत हो जाता है। इसलिए, वे उसे गलती करने देते हैं क्योंकि वह वास्तव में भविष्यवाणियाँ कर रहा है।

ठीक है, तो यह इस बात का सार है कि पूर्व-घटना कैसे काम करती है। और कुछ विद्वान कहेंगे, ठीक है, तो सवाल यह बनता है कि, यदि आप एक इंजीलवादी या ईसाई विद्वान हैं और आप इस विचार को रखते हैं, तो आपको इसका हिसाब देना होगा कि यह कैसे गलत है, यह धर्मग्रंथ में कैसे हो सकता है। हम इसे गलत कैसे समझ लेते हैं? हम ऐसी भविष्यवाणी कैसे कर सकते हैं जो गलत है? जो इसे बाइबिल के बारे में आपके विचारों पर वापस ले जाता है और धर्मग्रंथ के अधिकार का क्या अर्थ है, प्रेरणा का क्या अर्थ है, और शैलियों का उपयोग इन सभी में कैसे कारक बनता है।

तो, यह थोड़ा सा है, यह काफी जटिल हो जाता है। इसमें बस कुछ बहुत बुनियादी प्रश्न लगते हैं। लेकिन इन सबके अलावा, यह दृष्टिकोण इसी तरह काम करता है।

इसलिए, इस प्रकार की शैली बाइबिल के लिए उपयुक्त होगी या नहीं, यह एक ऐसा प्रश्न है जिस पर मैं आपको स्वयं विचार करने के लिए छोड़ रहा हूँ। कुछ लोगों की राय बहुत मजबूत होती है। यह उस प्रकार की शैली नहीं है जिसका उपयोग भगवान करेंगे।

अन्य लोग कहते हैं, ठीक है, यह एक शैली है। ईश्वर साहित्य के किसी भी पहलू या लेखन के किसी भी प्रकार का उपयोग करना चुन सकता है जिसे वह उपयोग करना चाहता है। वह ऐसा कर सकता है।

तो यह मुद्दा है। यह पूर्व-घटना भविष्यवाणी है। अब, भविष्यवाणी पर वापस आते हैं।

श्लोक 11, फारस के राजा। और अब मैं तुम्हें सच बताऊंगा। देखो, फारस में तीन और राजा उदय होनेवाले हैं।

तब एक चौथाई उन सब से कहीं अधिक धन अर्जित करेगा। जैसे ही वह अपने धन के माध्यम से मजबूत हो जाएगा, वह पूरे साम्राज्य को ग्रीस के दायरे के खिलाफ भड़का देगा। तथ्य यह है कि यहां चार राजा हैं, फ़ारसी राजाओं की संख्या कैसे तय की जाए, इस पर बहुत असहमति है।

ऐसा लगता है कि सबसे अच्छी व्याख्या यह कहना है कि यह पूर्णता की संख्या है। तीन प्लस एक और हैं, जो वास्तव में एक हिब्रू मुहावरा है। वास्तव में यहाँ एक दर्जन से अधिक राजा हैं, लेकिन वे सभी।

तो ये हैं फारस के राजा. और फिर, श्लोक तीन और चार में, हम उस व्यक्ति की ओर बढ़ते हैं जिसे वह शक्तिशाली राजा कहता है, जो एक यूनानी राजा है। तो, एक शक्तिशाली, और मैं सिर्फ आपके लिए रिक्त स्थान भरने के लिए ग्रीक कहूंगा, एक शक्तिशाली ग्रीक राजा उठेगा और वह महान अधिकार के साथ शासन करेगा और जैसा चाहेगा वैसा करेगा।

लेकिन जैसे ही वह उठेगा, उसका राज्य टूट जाएगा और कम्पास के चार बिंदुओं की ओर विभाजित हो जाएगा, हालांकि उसके अपने वंशजों को नहीं और न ही उसके अधिकार के अनुसार, जिसे उसने इस्तेमाल किया था। क्योंकि उसकी संप्रभुता उखाड़ दी जाएगी और उनके अलावा दूसरों को दे दी जाएगी। हर कोई इस शक्तिशाली राजा से सहमत है, यह शक्तिशाली राजा सिकंदर महान है, जो 336 में सत्ता में आया और पूर्व में अभूतपूर्व सैन्य अभियान चलाया।

10 साल के भीतर ही वह तुर्की से भारत तक पहुंच गया और उसने उस समय तक का सबसे बड़ा साम्राज्य स्थापित कर लिया। उसने 330 में डेरियस तृतीय को हराया और फारसी साम्राज्य पर कब्जा कर लिया। लेकिन फिर, अपनी शक्ति के चरम पर, उसकी मृत्यु हो गई और उसके पीछे कोई वारिस नहीं बचा।

तो, उसका साम्राज्य बंट गया है। यह इतिहास है जिसे हम कई बार पढ़ चुके हैं। केवल वे लोग जिनकी हम परवाह करने जा रहे हैं और जिनके बारे में यह रहस्योद्घाटन परवाह करने जा रहा है, वे हैं सेल्यूकस और टॉलेमी, जिन्हें भविष्यवाणी में उत्तर का राजा कहा गया है, वह सेल्यूकस है, और दक्षिण का राजा, वह टॉलेमी है।

तो, उत्तर और दक्षिण के राजा। अब, यह खंड जिसे मैं यहाँ शुरू कर रहा हूँ, सेल्यूकस और टॉलेमीज़ के बीच के दो सौ साल के इतिहास को बताता है। अगर मैं रुककर आपको सारी जानकारी दूँ, तो मैं वादा करता हूँ, आपकी आँखें बहुत जल्दी ही फीकी पड़ जाएँगी।

मैं जो कुछ भी आपको देता हूँ, उससे आप वैसे भी उस तरह से सोच सकते हैं। इसलिए, मैं आपको बहुत सीमित पुनर्कथन देने जा रहा हूँ। लेकिन अगर आप कोई अच्छी टिप्पणी उठाते हैं, तो आप यहाँ इतिहास के सभी विवरण पा सकते हैं।

मैं आपको ट्रैक रखने में मदद करने के लिए रास्ते में कुछ रिक्त स्थान भरूंगा। तो, श्लोक 5, फिर दक्षिण का राजा, यानी टॉलेमीस, अपने एक राजकुमार के साथ मजबूत होगा, जो वास्तव में

सेल्यूकस होगा, जो उस पर प्रभुत्व प्राप्त करेगा और प्रभुत्व प्राप्त करेगा। उसका क्षेत्र वास्तव में एक महान प्रभुत्व होगा।

कुछ सालों बाद, वे एक गठबंधन बनाएंगे। और दक्षिण के राजा टॉलेमी की बेटी, जो वास्तव में बेरेनिस है, उत्तर के राजा के पास आएगी, उस समय यह एंटीओकस ॥ है, एक शांतिपूर्ण व्यवस्था करने के लिए। लेकिन वह, बेरेनिस, टॉलेमी, अपनी शक्ति की स्थिति को बरकरार नहीं रख पाएगी, न ही वह, एंटीओकस ॥, अपनी शक्ति के साथ रहेगा।

लेकिन वह, बेरेनिस, उन लोगों के साथ छोड़ दी जाएगी जो उसे लाए थे, इसलिए शायद उसके परिचारक, और जिसने उसे जन्म दिया, वह उसका पिता होगा, साथ ही वह भी जिसने उस समय उसका समर्थन किया था। परन्तु उसके वंश में से एक, अर्थात् बेरेनिस की वंशावली, उसके स्थान पर, अर्थात् उसके पिता के स्थान पर उत्पन्न होगी। और वह, यह टॉलेमी ॥ होने वाला है, उनकी सेना के खिलाफ आएगा, सेल्यूसिड्स के खिलाफ, और उत्तर के राजा, सेल्यूसिड्स के किले में प्रवेश करेगा, और वह उनसे निपटेगा और बड़ी ताकत का प्रदर्शन करेगा।

इसके अलावा, वह उनके देवताओं को उनकी धातु की मूर्तियों और उनके चांदी और सोने के कीमती बर्तनों के साथ मिस्र में बंदी बना लेगा, और वह, अपनी ओर से, कुछ वर्षों तक उत्तर के राजा पर हमला करने से बचेगा। लेकिन फिर बाद वाला, इसलिए उत्तर का राजा, इस समय तक यह सेल्यूसिड द्वितीय है, दक्षिण के राजा के दायरे में प्रवेश करेगा, लेकिन अपनी भूमि पर वापस आ जाएगा। वहाँ कुछ सौ साल।

फिर हमें उत्तर के राजा के कारनामों की कुछ विस्तृत व्याख्या या भविष्यवाणी मिलती है, और ये स्पष्ट रूप से एंटीओकस ॥ के कारनामे हैं, जिन्हें सबसे महान सेल्यूसिड राजा माना जाता है। ठीक है, तो उसके बेटे, सबसे पहले, ये सेल्यूकस ॥ के बेटे हैं, बहुत सारी बड़ी ताकतों को इकट्ठा करेंगे और इकट्ठा करेंगे, और उनमें से एक, वह एंटीओकस ॥ है, आता रहेगा और बहता रहेगा और पार हो जाएगा, कि वह वह फिर से अपने गढ़ तक युद्ध छेड़ सकता है। दक्षिण का राजा टॉलेमी क्रोधित हो जाएगा और उत्तर के राजा एंटीओकस ॥ से लड़ने के लिए आगे बढ़ेगा।

फिर बाद वाला, एंटीओकस ॥, एक बड़ी भीड़ जुटाएगा, लेकिन वह भीड़ पहले वाले, टॉलेमी ॥ के हाथों में दे दी जाएगी। जब भीड़ बहाई जाएगी, तब उसका मन फूल जाएगा, और वह हजारों को गिरा देगा, तौभी वह प्रबल न होगा। उत्तर के राजा के लिए, एंटीओकस ॥ फिर से पहले वाले टॉलेमी की तुलना में अधिक भीड़ जुटाएगा, और कुछ वर्षों के अंतराल के बाद, वह एक बड़ी सेना और बहुत सारे उपकरणों के साथ आगे बढ़ेगा।

अब, उस समय, कई लोग दक्षिण के राजा, टॉलेमी के विरुद्ध उठ खड़े होंगे। तेरे लोगों में से उपद्रवी भी उस दर्शन को पूरा करने के लिये ऊपर उठेंगे, परन्तु गिर पड़ेंगे। तब उत्तर का राजा, एंटीओकस ॥, आएगा, घेराबंदी करेगा, और एक अच्छी तरह से किलेबंद शहर पर कब्ज़ा कर लेगा, और दक्षिण की सेनाएँ, टॉलेमी की सेनाएँ, अपनी ज़मीन पर टिक नहीं पाएंगी, यहाँ तक कि उनकी चुनी हुई सेना भी नहीं, क्योंकि स्टैंड लेने की ताकत नहीं होगी।

मैं बस एक साइड नोट करूंगा कि समान भाषा, जिसका विरोध नहीं किया जा सकता, मेढ़े और बकरी और छोटे सींग की तरह लगती है। लेकिन वह, एंटीओकस III, जो उसके खिलाफ आता है, और हमें यकीन नहीं है कि वह कौन है, कुछ टॉलेमिक जनरल, संभवतः स्कोपस। इसलिये जब अन्तियोख महान उस पर आक्रमण करेगा, तो वह जो चाहे करेगा, और कोई उसका साम्हना न कर सकेगा।

वह अपने हाथ में विनाश लेकर कुछ समय के लिए सुंदर भूमि पर भी रहेगा। वह, एंटीओकस III, अपने पूरे राज्य की शक्ति के साथ शांति का प्रस्ताव लेकर आएगा, जिसे वह लागू करेगा। वह इसे बर्बाद करने के लिए उसे एक महिला की बेटी भी देगा, लेकिन वह उसके लिए खड़ी नहीं होगी या उसके पक्ष में नहीं होगी।

फिर वह अपना मुख समुद्रतट की ओर मोड़ेगा और बहुतों को पकड़ लेगा, लेकिन एक सेनापति, एक रोमी सेनापति, उसके विरुद्ध उसके उपहास को रोक देगा। इसके अलावा, वह उसके उपहास का बदला भी चुकाएगा। इसलिए, वह अपना मुख अपने देश के किलों की ओर मोड़ेगा, लेकिन ठोकर खाकर गिर जाएगा और फिर कभी नहीं मिलेगा।

तो, हम अभी जिस स्थिति में हैं, वह यह है कि एंटीओकस III की 187 में हत्या कर दी गई थी, जब वह रोम के लिए श्रद्धांजलि राशि प्राप्त करने के लिए बेले के मंदिर को लूटने का प्रयास कर रहा था। ठीक है, अब हम एंटीओकस III से बाहर निकल रहे हैं और हम एंटीओकस IV के स्थान पर जाने वाले हैं। एंटीओकस IV, एंटीओकस III का पुत्र नहीं है।

हमारे पास बीच में एक सेल्यूकस है। वे एक दूसरे के नाम बदलते रहते हैं। तो फिर उसके स्थान पर, यानी, एंटीओकस III के स्थान पर, एक व्यक्ति उभरेगा, और यह सेल्यूकस IV है, जो अपने राज्य के रत्न के माध्यम से एक अत्याचारी को भेजेगा।

यह इसराइल का संदर्भ है। फिर भी कुछ ही दिनों में वह बिखर जाएगा, हालांकि न तो क्रोध में और न ही युद्ध में। उसकी जगह, यहाँ एक पल के लिए प्रतीक्षा की जा रही है।

उसकी जगह एक धिनौना व्यक्ति, यानी एंटीओकस IV, आएगा, जिसे राजत्व का सम्मान नहीं दिया गया है। दूसरे शब्दों में, उसने किसी तरह से राजगद्दी पर अपना रास्ता बना लिया। लेकिन वह शांति के समय आएगा और साज़िश करके राज्य पर कब्ज़ा कर लेगा।

उसके सामने अतिप्रवाहित सेनाएँ बह जाएँगी और बिखर जाएँगी, और वाचा का राजकुमार भी, जो यहूदी महायाजक का संदर्भ हो सकता है। इस बात पर बहस है कि वाचा का राजकुमार कौन है। उसके साथ गठबंधन होने के बाद, वह धोखे का अभ्यास करेगा, और वह ऊपर जाएगा और लोगों की एक छोटी सी सेना के साथ सत्ता हासिल करेगा।

शांति के समय में, वह क्षेत्र के सबसे समृद्ध हिस्सों में प्रवेश करेगा, और वह वह पूरा करेगा जो उसके पिताओं ने कभी नहीं किया, न ही उसके पूर्वजों ने। वह उनके बीच लूट, माल और संपत्ति बाँट देगा, और गढ़ों के विरुद्ध अपनी योजनाएँ बनाएगा, परन्तु केवल कुछ समय के लिए। वह एक बड़ी सेना के साथ दक्षिण के राजा टॉलेमी के विरुद्ध अपनी शक्ति और साहस बढ़ाएगा।

इसलिए, दक्षिण का राजा युद्ध के लिए एक बहुत बड़ी और शक्तिशाली सेना जुटाएगा, लेकिन वह खड़ा नहीं रहेगा, क्योंकि उसके खिलाफ योजनाएं बनाई जाएंगी। जो उसका उत्तम भोजन खाएंगे, वे उसे नष्ट कर देंगे, और उसकी सेना बढ़ती जाएगी, परन्तु बहुत से लोग मारे जाएंगे। जहाँ तक दोनों राजाओं, टॉलेमी और एंटीओकस की बात है, उनके मन बुराई करने पर तुले होंगे, और वे एक ही मेज पर एक दूसरे से झूठ बोलेंगे।

इसलिए, वे गठबंधन बनाने के लिए बैठे, लेकिन वे दोनों एक-दूसरे को धोखा देने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन यह सफल नहीं होगा, क्योंकि अंत अभी भी नियत समय पर आएगा। तब वह, एंटीओकस चतुर्थ, बहुत सारी लूट के साथ अपनी भूमि पर लौट आएगा, लेकिन उसका दिल पवित्र वाचा के खिलाफ हो जाएगा, और वह कार्रवाई करेगा और फिर अपनी भूमि पर लौट आएगा। नियत समय पर, वह लौट आएगा और दक्षिण में आ जाएगा, लेकिन इस बार, यह पहले जैसा नहीं होगा, क्योंकि कित्तिम, जो रोम है, के जहाज उसके खिलाफ आएंगे, और इसलिए, वह निराश हो जाएगा और लौटकर पवित्र वाचा पर क्रोधित हो जायेंगे।

तो, हम अभी 167 ईसा पूर्व में पहुंचे हैं। वह पवित्र वाचा पर क्रोधित हो जाएगा और कार्रवाई करेगा, इसलिए वह वापस आएगा और उन लोगों के प्रति सम्मान दिखाएगा जो पवित्र वाचा को त्याग देते हैं। उस में से सेनाएं उठेंगी, पवित्रस्थान के गढ़ को अपवित्र करेंगी, और नियमित बलिदान को नष्ट करेंगी, और उजाड़ने की घृणित वस्तु स्थापित करेंगी।

वह चिकनी-चुपड़ी बातों से उन लोगों को अधर्म की ओर मोड़ देगा जो वाचा के प्रति दुष्टता से काम करते हैं, लेकिन जो लोग अपने परमेश्वर को जानते हैं वे शक्ति दिखाएंगे और कार्रवाई करेंगे। लोगों के बीच जो लोग समझदार हैं वे बहुतों को समझ देंगे, फिर भी वे तलवार और आग से, बंधुआई में और बहुत दिनों तक लूट में गिरेंगे। अब, जब वे गिरेंगे, तो उन्हें थोड़ी मदद दी जाएगी, और बहुत से लोग उनके साथ पाखंड में शामिल हो जाएंगे।

उनमें से कुछ लोग जो अंतर्दृष्टि रखते हैं, उन्हें शुद्ध करने, शुद्ध करने और अंत तक उन्हें शुद्ध बनाने के लिए गिरेंगे क्योंकि यह अभी भी नियत समय पर आना बाकी है। ठीक है, यह हमें उस खंड के अंत में लाता है जिस पर सभी लोग सहमत हैं, भले ही इसमें सभी कठिनाइयाँ हों। तो, हम लगभग 167 पर हैं, हर कोई सहमत है।

मुझे कुछ रिक्त स्थान भरने दें। तो, दो साल बाद, मुझे लगता है कि हम अभी भी थोड़े, खेद है कि हम अभी भी यहाँ हैं। दो साल बाद 167 में, एंटीओकस ने फिर से मिस्र पर आक्रमण किया, लेकिन वह पूरी तरह से विफल रहा।

कित्तिम या रोमन, टॉलेमी के अनुरोध पर उसकी मदद करने के लिए अलेक्जेंड्रिया आते हैं, और रोमन दूत द्वारा एंटीओकस को डराया और अपमानित किया जाता है, और वह गुस्से में पीछे हट जाता है। लगभग उसी समय, फिलिस्तीन की भूमि में, हमारे पास जेसन नामक एक नेता के नेतृत्व में यहूदियों का एक समूह है, और उन्होंने उच्च पुजारी के खिलाफ विद्रोह किया, जिसका नाम उस समय मेनेलॉस था, और उसके साथियों, टोबैड्स, और उसने विद्रोह किया क्योंकि

उसने सुना था कि एंटीओकस को मार दिया गया था। इसलिए जेसन और उसका दल उच्च पुजारी और उसके साथ सभी लोगों को मारने के लिए आता है, क्योंकि उन्हें लगता है कि एंटीओकस मर चुका है, यह विद्रोह करने का समय है, हम आखिरकार आज़ाद हो सकते हैं।

हालाँकि, एंटीओकस बहुत जीवित था, और जब वह 167 में मिस्र से लौटा तो उसने इस विद्रोह को अपने हमले और नियंत्रण की बहाली के बहाने के रूप में इस्तेमाल किया। इसलिए, उसने आड़ में यरूशलेम में एक दूत भेजकर यहूदियों पर अपना गुस्सा निकाला। शांति की, लेकिन शांति लाने के बजाय, उन्होंने सब्त के दिन यहूदियों पर हमला किया, और उन्होंने शहर को लूट लिया। इसका वर्णन मैकाबीज़ की पुस्तकों, मैकाबीज़ की अपोकलिफ़ल पुस्तकों में किया गया है।

यहूदियों का नरसंहार किया गया और यहूदी व्यापारियों को एंटीओकस की यूनानीकरण नीतियों का समर्थन करने के लिए पुरस्कृत किया गया। बाद में, 167 में, एंटीओकस ने जबरन यूनानीकरण का आदेश दिया, इसलिए वह यरूशलेम को एक ग्रीक पोलिस, एक ग्रीक शहर बनाना चाहता था। वह आदेश देता है कि ऐसा होना ही चाहिए, और ऐसा होने के लिए, वह यहूदी धार्मिक प्रथाओं को गैरकानूनी घोषित करता है।

इसलिए, खतना, शास्त्रों को रखना, सब्बाथ का पालन, विभिन्न त्यौहार मनाना, सुबह और शाम की बलि, ये सभी गैरकानूनी हैं, और जो कोई भी विद्रोह करता है उसे मौत की धमकी दी जाती है। और फिर, मंदिर को शाही पंथ पूजा, राजा की पूजा, और मंदिर में ज़ीउस को समर्पित एक वेदी या मूर्ति के निर्माण की संस्था के साथ बुतपरस्ती बना दिया गया। यही वह घृणित कार्य है जो संभवतः विनाश का कारण बनता है।

इसने मंदिर को अशुद्ध कर दिया, पूजा के लिए अनुपयुक्त बना दिया, इसका उपयोग नहीं किया जा सकता। इसलिए, तीन साल के भीतर, मंदिर में खरपतवार उग आए, और इसे खाली जगह की तरह छोड़ दिया गया। इस बीच, पूरे यहूदा में मूर्तिपूजक वेदियाँ भी स्थापित की गई हैं।

सूअरों और अन्य अशुद्ध जानवरों की पेशकश की गई थी, और यह संपूर्ण अपवित्रता एक और घृणित वस्तु को दर्शाती है जिसे बाद में यरूशलेम मंदिर में खड़ा किया जाएगा जिसकी भविष्यवाणी यीशु ने ओलिवेट प्रवचन में की थी। यह हमें बहुत दूर ले जाता है और हमारे पास वहां जाने का समय नहीं होता। एंटीओकस और यरूशलेम पर उसके हमले के आसपास की ये सभी घटनाएं यहूदियों को दो खेमों में बांट देती हैं।

तो, जो मैंने अभी पढ़ा, उस लंबे अनुच्छेद में, हमारे पास वे लोग थे जिन्होंने वाचा का उल्लंघन किया, वे वे लोग हैं जो एंटीओकस की मीठी बातों से भ्रष्ट हो गए थे। उन्हें यकीन हो गया कि उसका रास्ता बेहतर है, और उन्होंने अनुबंध को त्याग दिया। और फिर ऐसे लोग भी हैं जो दृढ़ता से एंटीओकस का विरोध करते हैं क्योंकि पाठ कहता है कि वे अपने ईश्वर को जानते हैं।

वे कानून का पालन करने में लगे रहते हैं और उनमें से कई लोग इसके कारण शहीद हो जाते हैं। उन्हें न केवल सेल्यूसिड्स द्वारा धमकाया जाता है और सताया जाता है, जिन्होंने यहूदा और यरुशलम पर कब्जा कर लिया था, बल्कि उनके अपने देशवासियों द्वारा भी, जो एंटीओकस के पक्ष में थे। इसलिए, उन्हें हर जगह से यह मिल रहा है।

भविष्यवाणी में जिन बुद्धिमान लोगों का जिक्र किया गया है, वे यहूदी हैं जिन्हें मिस्र में अपनी विफलता से एंटीओकस की दूसरी वापसी पर सताया जाता है। वे वे लोग हैं जो वाचा के प्रति वफ़ादार रहते हैं। वे उत्पीड़न के दौरान अन्य लोगों को भी सिखाते और निर्देश देते हैं।

और पाठ में कहा गया है कि जो लोग उनका अनुसरण करेंगे, उन्हें भी कष्ट और यहां तक कि शहादत भी मिलेगी। यह कथन कि उन्हें थोड़ी मदद मिलेगी, शायद मज़ाक जैसा हो। हाँ, उन्हें मैकाबीन विद्रोह से थोड़ी मदद मिली, लेकिन इससे वास्तव में बहुत मदद नहीं मिली क्योंकि यह लंबे समय तक नहीं चला। इस बात पर थोड़ी बहस है कि वास्तव में इस अभिव्यक्ति का क्या मतलब है।

फिर यह कहता है कि बहुत से लोग कपट में बुद्धिमानों के साथ शामिल हो जाएँगे, जिसका मतलब ऐसे लोगों का समूह हो सकता है जो बस सवारी के लिए साथ आए थे लेकिन वास्तव में परमेश्वर के प्रति आज्ञाकारिता के बारे में उनका दृष्टिकोण समान नहीं था। इस उत्पीड़न ने उन्हें या राष्ट्र को शुद्ध और परिष्कृत किया, फिर से किसी के दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। और फिर हम श्लोक 36 पर पहुँचते हैं।

और जैसा कि मैंने कहा, पाठ में इस बिंदु तक, जो कुछ हो रहा है उसके बारे में आम सहमति है। फिर हम एक बहुत ही कठिन खंड पर पहुँचते हैं जहाँ हमारे पास यह सवाल है कि क्या यह एक वास्तविक भविष्यवाणी है। क्या यह कुछ ऐसा है जो भविष्य में अभी तक होने वाला है? क्या यह एक ऐसी शैली है जिसे हम पवित्र शास्त्र में रख सकते हैं? हम इसके साथ क्या करते हैं? क्योंकि जिन घटनाओं का वर्णन किया गया है, उन्हें एंटीओकस IV के लिए एंटीओकस के ऐतिहासिक रिकॉर्ड के साथ जोड़ा नहीं जा सकता है। मुझे लगता है कि ट्रैम्पर लॉन्गमैन ने इस खंड के साथ अच्छा काम किया है।

और वह कहते हैं कि आपको कुछ मुद्दों को ध्यान में रखना होगा। आपको यह बताना होगा कि यह किस राजा के बारे में बात कर रहा है, क्योंकि अब यह दक्षिण के राजा और उत्तर के राजा के बारे में नहीं कहता है। यह बस अचानक से हमारे सामने राजा आ जाता है।

वह कौन सा राजा है? और उसने यह भी कहा, हम किसके दिमाग की बात कर रहे हैं? क्या यह कोई मानव लेखक है या कोई दिव्य लेखक? तो क्या यह भविष्यवक्ता वास्तव में जानता है कि वह बहुत दूर भविष्य में बोल रहा है, या यह एक दूरबीन है जिसे वह नहीं देख सकता? दो प्रमुख तरीके हैं जिनसे लोग यहाँ से पाठ को ले सकते हैं। पहला है आलोचनात्मक विद्वत्ता, जो इस पूर्व-घटना विचार को धारण करने जा रही है। और उनका तर्क यह है कि पाठ में ऐसा कोई संकेत नहीं है कि हमारे पास अचानक एक नया राजा या एक नया व्यक्ति है।

पाठ में हर जगह यह स्पष्ट था कि हमें दृश्य में एक नया चरित्र मिला है। यहाँ कोई नहीं है। इसलिए, हमें यह मानना होगा कि हम अभी भी एंटीओकस IV के बारे में बात कर रहे हैं।

और यह उसके पतन की प्रतीक्षा में एक कल्पनाशील दृष्टिकोण है। इसलिए, इस दृष्टिकोण के साथ समस्या यह है कि यह इस पूर्व-घटना भविष्यवाणी और भविष्यवक्ता द्वारा गलत बातें करने

पर निर्भर करता है। रूढ़िवादी व्याख्याकार, पारंपरिक व्याख्याकार कहेंगे, नहीं, 11:36 से 37 में जो हो रहा है वह यह है कि हम अब एंटीओकस IV के इस ऐतिहासिक व्यक्ति से एक युगांतकारी व्यक्ति की ओर जा रहे हैं।

अब हमें श्लोक 36 से 45 में युगांतशास्त्रीय महत्व मिल गया है। और जेरोम के समय से, जो लगभग 400 है, ईसाई व्याख्याकारों ने इस अंश में एक मसीह विरोधी व्यक्ति को देखा है। सभी ईसाई व्याख्याकार इसे नहीं देखते हैं, लेकिन ईसाई व्याख्याकारों ने इसे देखा है।

और वे भविष्य की घटनाओं को दूर से देखने की भविष्यवाणी में प्रवृत्ति का हवाला देते हैं। इसलिए, हमें जरूरी नहीं कि स्पष्ट संकेत मिले कि समय में कोई महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है, कि हम भविष्य में बहुत दूर हैं। चीजें एक तरह से आपस में मिल जाती हैं।

लॉन्गमैन का सुझाव है कि इस खंड में, हमें एंटीओकस एपिफेनीज़ के संदर्भ देखने चाहिए, लेकिन वे जीवन से भी बड़ी विशेषताओं को अपना रहे हैं, जिन्हें हम, नए नियम के प्रकाश में रहते हुए, एंटीक्रिस्ट नामक एक व्यक्ति की आशा के रूप में वर्णित कर सकते हैं। और जिस तरह का सबूत लॉन्गमैन यहां देखता है वह इस जीवन से भी बड़ी ब्रह्मांडीय भाषा के बारे में बात करता है। अब ऐसा नहीं लगता कि यह केवल यह ऐतिहासिक संदर्भ है जिसे हम पा सकते हैं।

अंत के समय के बारे में बात करें. तथ्य यह है कि श्लोक 40 से 45 विशेष रूप से तब काम नहीं करते जब आप इसे एंटीओकस पर लागू करने का प्रयास करते हैं। और वह राजा, केवल राजा का लेबल, उससे पहले एंटीओकस को संदर्भित करने के लिए कभी इस्तेमाल नहीं किया गया था।

उसे हमेशा उत्तर का राजा कहा जाता है, इसलिए यह एक अलग संदर्भ है। और, ज़ाहिर है, जब हम अध्याय 12 पर पहुँचते हैं तो पुनरुत्थान की बात होती है। बाल्डविन, जॉयस बाल्डविन, जिनकी टिप्पणी मैंने पहले भी उठाई थी, सारांश देते हुए कहते हैं कि हालाँकि डैनियल 11 की पूर्ति एंटीओकस IV में होती है, लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं होता।

इसलिए, चाहे उनके पास कोई तात्कालिक संदर्भ हो या न हो, जिसे हम समझ नहीं पाते या जिसके बारे में हम नहीं जानते, हम कुछ विवरणों को याद कर रहे हैं। वह कहती है कि ऐसा लगता है कि इस खंड में दैवीय हस्तक्षेप व्यापक हो सकता है। कुछ अन्य साक्ष्य जो लोगों को इस खंड में एंटीओकस चतुर्थ से आगे बढ़कर अधिक पारंपरिक दृष्टिकोण रखने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, वे अन्य अध्यायों से कुछ व्याख्यात्मक मुद्दे हैं।

इसलिए, जब आप अध्याय 7 में वापस जाते हैं, और आपके पास छोटा सींग है, और फिर अध्याय 8 में आपके पास एक और छोटा सींग है, और फिर आपके पास आने वाला शासक है, और आपके पास अधर्म के आदमी और मसीह विरोधी पर नए नियम की शिक्षा है, और फिर प्रकाशितवाक्य में आपके पास जानवर है, और कहानी आगे बढ़ती है। तो, वास्तविक अध्याय के बाहर के कुछ मुद्दे आपको अधिक रूढ़िवादी व्याख्या या पारंपरिक व्याख्या की ओर झुकाव में

मदद कर सकते हैं, या ऐसा नहीं भी हो सकता है। ठीक है, हम इस भविष्यवाणी के लगभग अंतिम भाग में हैं।

फिर राजा अपनी मर्जी से काम करेगा, यह श्लोक 36 है, और वह खुद को हर देवता से ऊपर उठाएगा और देवताओं के देवता के खिलाफ राक्षसी बातें बोलेगा। यह उस ब्रह्मांडीय भाषा की तरह है जिसके बारे में ट्रम्पर लॉन्गमैन बात कर रहे हैं। वह तब तक समृद्ध होगा जब तक कि क्रोध समाप्त नहीं हो जाता, क्योंकि जो तय किया गया है वह किया जाएगा।

वह अपने पूर्वजों के देवताओं या स्त्रियों की अभिलाषाओं का सम्मान नहीं करेगा, न ही वह किसी अन्य देवता का सम्मान करेगा, क्योंकि वह अपने आप को उन सभी से ऊपर रखेगा। इसके बजाय, वह किलों के देवता का सम्मान करेगा, एक ऐसा देवता जिसे उसके पूर्वज नहीं जानते थे। वह उसे सोने, चांदी, कीमती पत्थरों और खजानों से सम्मानित करेगा।

वह एक विदेशी देवता की मदद से सबसे मजबूत किलों के खिलाफ कार्रवाई करेगा। वह उन लोगों को बहुत सम्मान देगा जो उसे स्वीकार करते हैं और उन्हें बहुतांश पर शासन करने के लिए मजबूर करेंगे और कीमत के लिए जमीन का बंटवारा करेंगे। अंत समय में, दक्षिण का राजा, टॉल्मी, उससे टकराएगा, और उत्तर का राजा रथों, घुड़सवारों, कई जहाजों के साथ उसके खिलाफ तूफान लाएगा, और वह देशों में प्रवेश करेगा, उन्हें बहा ले जाएगा, और उनसे होकर गुजरेगा।

वह खूबसूरत देश में भी प्रवेश करेगा, और कई देश गिर जाएंगे, लेकिन ये उसके हाथ से बच जाएंगे: एदोम, मोआब और अम्मोन के बेटों में से सबसे प्रमुख। तब वह दूसरे देशों के विरुद्ध अपना हाथ बढ़ाएगा, और मिस्र देश बच न सकेगा, परन्तु सोने, चांदी के गुप्त भण्डार और मिस्र की सब बहुमूल्य वस्तुओं पर उसका अधिकार हो जाएगा, और लीबियाई और इथियोपियाई उसके पीछे हो लेंगे। ऊँची एड़ी के जूते. परन्तु पूर्व और उत्तर से अफवाहें उसे परेशान करेंगी, और वह बड़े क्रोध के साथ बहुतांश को नष्ट और नष्ट करने के लिए आगे बढ़ेगा।

वह समुद्र और सुंदर पवित्र पर्वत के बीच अपने शाही मंडप के तंबू गाड़ देगा, फिर भी वह अपने अंत तक पहुँच जाएगा, और कोई भी उसकी मदद नहीं करेगा। और फिर हमारे पास संकट का समय है और यह अध्याय 12 शुरू होता है। अब, उस समय, माइकल, महान राजकुमार जो आपके लोगों के बेटों पर पहरा देता है, उठेगा, और संकट का ऐसा समय होगा जैसा उस समय से पहले कभी नहीं हुआ था जब से कोई राष्ट्र अस्तित्व में आया था।

और उस समय, तेरे लोग, अर्थात् जितने लोग पुस्तक में लिखे हुए हैं, वे सब बचाए जाएँगे। जो भूमि की मिट्टी में सोए हुए हैं, उनमें से बहुत से लोग जाग उठेंगे, ये तो अनन्त जीवन के लिये, परन्तु जो अन्य हैं, वे अपमान और सदा तक घृणा के पात्र बनेंगे। जो लोग समझदार हैं, वे आकाश के विस्तार की चमक के समान चमकेंगे, और जो बहुतांश को धार्मिकता की ओर ले जाते हैं, वे सर्वदा तारों के समान चमकेंगे।

ठीक है, यहाँ बहुत कुछ है जिसके बारे में बात करने के लिए हमारे पास समय नहीं है। यह वादा सताए गए लोगों के लिए एक महान वादा है, कि पुनरुत्थान और पुरस्कार और पुनरुत्थान और यहाँ तक कि दंड की आशा है। इस पुनरुत्थान की प्रकृति पर चर्चा और बहस की जाती है लेकिन मुझे लगता है कि अधिकांश लोग इस बात से सहमत हैं कि पुराने नियम में वास्तविक शारीरिक पुनरुत्थान की यह एक बहुत ही स्पष्ट तस्वीर है।

यह रूपक नहीं है, यह वास्तव में शारीरिक पुनरुत्थान को संदर्भित करता है। और यह वास्तव में पुराने नियम में एकमात्र स्थान है जहाँ हम इसे पाते हैं। पुनरुत्थान की अवधारणा बहुत अस्पष्ट है।

इसे स्पष्ट करने के लिए न्यू टेस्टामेंट तक का समय लगता है। किसका पुनरुत्थान हो रहा है और कितने लोगों का, और क्या यह सार्वभौमिक है या क्या यह केवल उन लोगों से संबंधित है जिन्होंने इस समय अवधि के दौरान कष्ट सहे हैं, इसकी सटीक प्रकृति क्या है। इस पर सभी प्रकार के मुद्दे हैं और बहुत सी चर्चाएँ हैं।

मैं आपको उस वादे और सांत्वना के साथ छोड़ना चाहता हूँ जो डैनियल के मूल दर्शकों के लिए होता और यह सांत्वना उन लोगों के लिए होती जो ईश्वर का अनुसरण करते हैं और फिर भी इसके लिए पीड़ित होंगे। हो सकता है कि आप पुनरुत्थान तक वह इनाम न देख पाएं। इस अध्याय में शहीद हैं।

ऐसे लोग हैं जो अपने विश्वास के लिए कष्ट सहते हैं और मरते हैं, और अभी भी ऐसे लोग हैं जो अपने विश्वास के लिए कष्ट सहते हैं और मरते हैं। लेकिन अंत में, अंत के समय, अंततः पुरस्कार होता है, और अंततः न्याय और दंड होता है। यदि हमारे पास चमकते सितारों और आकाश की चमक के बारे में बात करने का समय हो तो हम समय बिता सकते हैं।

संभवतः कुछ अधिक आलंकारिक भाषा। मुझे नहीं लगता कि डैनियल के लेखक का यह मतलब है कि जब हम मरते हैं, तो हम देवदूत या सितारे बन जाते हैं। मुझे लगता है कि हमारे यहां आलंकारिक भाषा चल रही है।

आइए इसे पद 4 में समाप्त करें। लेकिन जहाँ तक तुम्हारा सवाल है, दानिय्येल, इन शब्दों को छिपाए रखो और पुस्तक को समय के अंत तक सीलबंद रखो। बहुत से लोग आगे-पीछे जाएँगे, और ज्ञान बढ़ेगा। और फिर मैं, दानिय्येल, ने देखा, और देखो, दो अन्य लोग खड़े थे, एक नदी के इस किनारे पर और दूसरा नदी के उस किनारे पर।

और एक ने नदी के पानी के ऊपर लिनन के कपड़े पहने हुए आदमी से कहा, यह कब तक रहेगा? फिर से वही कब तक वाली भाषा है। इन अजूबों के खत्म होने में कितना समय लगेगा? मैंने नदी के पानी के ऊपर लिनन के कपड़े पहने हुए आदमी को सुना, जब उसने अपना दाहिना हाथ और बायाँ हाथ स्वर्ग की ओर उठाया और हमेशा के लिए जीने वाले की कसम खाई कि यह एक समय, कई बार और आधे समय के लिए होगा। और जैसे ही वे पवित्र लोगों की शक्ति को चकनाचूर करना समाप्त कर देंगे, ये सभी घटनाएँ पूरी हो जाएँगी।

जहाँ तक मेरी बात है, मैंने सुना, लेकिन मैं समझ नहीं पाया। इसलिए, मैंने पूछा, मेरे प्रभु, इन घटनाओं का क्या परिणाम होगा? उन्होंने कहा, हे दानियेल, अपना रास्ता अपनाओ, क्योंकि ये शब्द अंत समय तक गुप्त और मुहरबंद हैं। बहुत से लोग शुद्ध किए जाएँगे, शुद्ध किए जाएँगे, और परिष्कृत किए जाएँगे, लेकिन दुष्ट दुष्टता से काम करेंगे।

दुष्टों में से कोई भी नहीं समझेगा, लेकिन जो लोग समझदार हैं वे समझेंगे। और यहाँ हम बैंक के साथ चलते हैं। जब से नियमित बलिदान समाप्त हो जाता है और उजाड़ने वाली घृणित वस्तु स्थापित होती है, तब से 1,290 दिन होंगे।

वह कितना धन्य है जो प्रतीक्षा करता रहता है और 1,335 दिन तक पहुँचता है? लेकिन तुम अंत तक अपना रास्ता बनाओ। फिर, तुम विश्राम में प्रवेश करोगे और समय के अंत में अपने नियत भाग के लिए फिर से उठोगे।

टिप्पणीकारों ने उन दो संख्याओं के महत्व पर लंबे समय तक गहन माथापच्ची की है। मैं शायद आपसे विकल्पों के बारे में बात भी नहीं कर सका। कुछ टिप्पणीकार हाथ खड़े कर देते हैं और कहते हैं कि यह रहस्य का हिस्सा है।

अन्य टिप्पणीकार इसका अर्थ निकालने की कोशिश करते हैं, लेकिन सबसे अच्छा प्रस्ताव जो मैंने पढ़ा है और मैं आपको केवल इसलिए संदर्भित करने जा रहा हूँ क्योंकि मुझे यकीन नहीं है कि मैं इसे स्पष्टीकरण में एक साथ रख सकता हूँ वह कैरोल न्यूसम है। वह संख्याओं के माध्यम से बात करती है, और उसे ऐसे पैटर्न मिलते हैं जो डैनियल की पुस्तक में अन्य समय अवधि से जुड़ते हैं। और उनका निष्कर्ष यह है कि यह एक महत्वपूर्ण संख्या है।

वे सिर्फ यादृच्छिक नहीं हैं। यह अर्थपूर्ण है। और मैं जो कहूँगा वह यह है कि भले ही हम वास्तव में नहीं जानते कि उन संख्याओं का क्या मतलब है, यह एक व्याख्या है जो पुस्तक में अन्य प्रतीकों के साथ फिट बैठती है, साथ ही डैनियल के लिए उस व्यक्ति के अंतिम शब्द, जो आपको करने होंगे ईश्वर द्वारा अपना वचन निभाने की प्रतीक्षा करें।

आपको बस जाकर इंतजार करना होगा; देरी होगी; भगवान की प्रतीक्षा करो। यह निकल जायेगा। यह एक चुनौतीपूर्ण पुस्तक के अंत में एक चुनौतीपूर्ण दृष्टि है।

और हमने केवल सतह को खरोंचा है। एक जटिल इतिहास है जिसके बारे में हम बमुश्किल ही जानते हैं। संभवतः ऐसी शैलियाँ हैं जिनके बारे में हम पूरी तरह से समझ नहीं पा रहे हैं।

लेकिन मैं आपको यह याद दिलाना चाहता हूँ कि ये भविष्यवाणियाँ और ये दर्शन ऐतिहासिक परिदृश्य से परे हैं। उनके पास जो भी संदर्भ हो या न हो, फिर भी, यह पुस्तक अपनी ऐतिहासिक सेटिंग से परे है। यह हमेशा स्पष्ट नहीं होता कि यह ऐसा कैसे करता है।

हमारा काम इसे समझने के लिए हर संभव प्रयास करना है। और जब आपने ऐसा किया है तो यह हमेशा मददगार होता है कि यह याद रखें कि स्वयं डैनियल भी इसे ठीक से समझ नहीं सका। और उसके पास इसकी व्याख्या करने के लिए एक स्वर्गादूत था।

और यह वास्तव में ठीक लग रहा था। डैनियल के लिए यह ठीक था, और उसके स्वर्गीय आगंतुक उससे नाराज़ नहीं लग रहे थे। डैनियल, तुम अपना रास्ता चुनो।

तो अब हम पुस्तक के अंत में पहुँच गए हैं। मुझे उम्मीद है कि डैनियल के बारे में और अधिक अध्ययन करने के लिए आपकी इच्छा जागृत हुई होगी और आप कुछ और संसाधन खोजेंगे और अपने इतिहास को ताज़ा करेंगे। धन्यवाद।

यह डॉ. वेंडी विडर द्वारा दानिय्येल की पुस्तक पर दिया गया उपदेश है। यह सत्र 16, दानिय्येल 10-12, दानिय्येल का अंतिम दर्शन है।